RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 186
दि. 07.11.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले फेज की वोटिंग में टूटा वोटिंग रिकॉर्ड, सभी पार्टियों ने किया अपनी जीत का दावा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले फेज की वोटिंग अब समाप्त हो गई है। 18 जिलों की 121 सीटों पर बंपर वोटिंग ने राजनीतिक विश्लेषकों को भी हैरान कर दिया है। वोटिंग के दौरान कुछ छिटपुट हिंसा की घटनाएं भी हुई, लेकिन ज्यादातर इलाकों में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान पूरा हुआ है। वोटिंग खत्म होने के बाद बीजेपी, आरजेडी, जेडीयू समेत सभी दलों के नेताओं ने वोटिंग संख्या बढ़ने पर खुशी जताई और अपनी-अपनी जीत का दावा किया है।

पहले फेज में प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी समेत मंत्री मंगल पांडे, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव जैसे दिग्गजों की सीट पर भी मतदान हुआ है। बिहार विधानसभा चुनाव में अगले फेज के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा और चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

- बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटते हुए नजर आ रहे हैं। शाम 5 बजे तक चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 60.52 फीसदी तक मतदान हुआ।

- दरभंगा जिले में शाम पांच बजे तक 51.75 की वोटिंग रिकॉर्ड की गई। मुजफ्फरपुर में 64.63 प्रतिशत मतदान हुआ। शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण विधानसभाओं में वोटिंग का आंकड़ा ज्यादा रहा है।

- शाम 5 बजे तक, शाम 5 बजे तक मधेपुरा 65.74, सहरसा 62.65%, दरभंगा 58.38%, मुजफ्फरपुर 65.23%, गोपालगंज 64.96%, सीवान 57.41%, सारण 60.90%, वैशाली 59.45%, समस्तीपुर 66.65%, बेगूसराय 67.32%, खगड़िया 60.65%, मुंगेर 54.90%, लखीसराय 62.76%, शेखपुरा 52.36%, नालंदा 57.58%, पटना 55.02%, भोजपुर 53.24%,

बक्सर 55.10% मतदान हुआ है।

- तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, अनंत सिंह, मैथिली ठाकुर और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा सहित नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की किस्मत का फैसला पहले चरण में होगा।

- डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के काफिले पर कुछ लोगों ने हमला भी किया। सिन्हा ने राजद समर्थकों पर हमले का आरोप लगाया। पहले चरण के मतदान के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और राजद विधान पार्षद अजय कुमार के बीच तीखी बहस हुई।

- आरजेडी ने आरोप लगाया कि कुछ जगहों पर जबरदस्ती वोटिंग धीमी कराई गई और बिजली भी काटी गई थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने ऐसे आरोपों से पूरी तरह से इनकार किया है। आरजेडी ने अपने ट्विटर हैंडल से दावा किया कि राघोपुर में नाव के जरिए वोट देने के लिए आने वाले लोगों को रोकने का भी आरोप लगाया गया।

- चुनाव आयोग ने छिटपुट हिंसा की घटनाओं की पुलिस और प्रशासन के जरिए उचित जांच का आश्वासन देते हुए कहा कि पहले फेज की वोटिंग शांतिपूर्ण तरीके से हुई है। जनता ने पूरे उत्साह के साथ इसमें हिस्सा लिया और मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ है।

नाव से पहुंचे मतदाता, विदेशी पर्यवेक्षक भी आए बिहार

दानापुर में मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए मतदाताओं ने नाव सेवाओं का उपयोग किया। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि बिहार 20 साल के कुशासन से तंग आ चुका है और राहुल गांधी व तेजस्वी यादव के अभियान का असर दिख रहा है।

सारण जिले में दिव्यांगजनों और वृद्ध मतदाताओं के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था की गई। वहीं, अलीपुर में एक बीमार बुजुर्ग महिला को खाट पर लेटाकर मतदान केंद्र पहुँचाया गया, जो मतदान के प्रति उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

इंडोनेशिया, कोलंबिया, फिलीपींस, फ्रांस, बेल्जियम, दक्षिण अफ्रीका और थाईलैंड सहित सात देशों के 16 प्रतिनिधियों ने बिहार चुनाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पहली बार, भारत निर्वाचन आयोग ने सभी 100% मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से लाइव फीड की निगरानी की।

सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ की संपत्ति अटैच

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की कुल ₹11.14 करोड़ की चल और अचल संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत अस्थायी रूप से अटैच किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस अटैचमेंट में सुरेश रैना के नाम पर ₹6.64 करोड़ के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर ₹4.5 करोड़ मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है।

यह कार्रवाई एक ऑनलाइन बेटिंग ऐप 1xBet से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है। ED की जांच में सामने आया है कि इस ऐप से जुड़े कुछ वित्तीय लेन-देन और एंडोर्समेंट फीस कथित तौर पर "क्राइम प्रोसीड्स" यानी अवैध कमाई के तहत आती हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि इन फंड्स को वैध निवेश के रूप में दिखाया गया था, जबकि वास्तव में यह अवैध गतिविधियों से अर्जित की गई रकम थी। इसी कारण ED ने इन संपत्तियों को PMLA की धारा 5 के तहत अस्थायी रूप से अटैच किया है। ईडी ने दोनों खिलाड़ियों से पूछताछ की है और उनके वित्तीय लेनदेन का गहन विश्लेषण किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रोविजनल अटैचमेंट है, जिसका मतलब है कि संपत्ति पर फिलहाल रोक लगाई गई है।

जेएनयू में फिर लेफ्ट का बोलबाला, छात्र संघ चुनाव में चारों पदों पर एबीवीपी को हराकर मारी बाजी

(जीएनएस)।

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU के छात्रसंघ चुनावों में एक बार फिर लेफ्ट यूनिटी ने अपना दबदबा कायम किया है। मतगणना के बाद, लेफ्ट यूनिटी के उम्मीदवारों ने सभी चार प्रमुख पदों पर जीत हासिल की है, जिससे परिसर में 'लाल सलाम' की गूंज सुनाई दी।

जेएनयू छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के चुनाव मंगलवार को संपन्न हुए थे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वोटों की गिनती गुरुवार सुबह शुरू हुई और शाम तक चली। शुरूआती रुझानों से ही लेफ्ट के उम्मीदवारों ने बढ़त बना ली थी, जिसे उन्होंने अंत तक कायम रखा।

पिछले चुनावों में भी लेफ्ट ने लगभग सभी पदों पर जीत हासिल की थी, केवल एक पद पर ही उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) लेफ्ट के मजबूत गढ़ में सेंध लगाने में विफल रही। एनएसयूआई सहित अन्य छात्र संगठन भी इन चुनावों में मैदान में थे।

जेएनयू का कौन बना अध्यक्ष?

अध्यक्ष पद पर लेफ्ट की अदिति मिश्रा ने जीत दर्ज की। इस दौड़ में, एबीवीपी के विकास पटेल दूसरे स्थान पर रहे, जबकि पीएसए की शिंदे विजयलक्ष्मी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एनएसयूआई के विकास काफी पीछे रह गए। स्वतंत्र उम्मीदवार अंगद सिंह और बीएपीएसए के राज रतन राजौरिया भी इस पद के लिए चुनावी मैदान में थे।

उपाध्यक्ष पद पर भी लेफ्ट की के. गोपिका ने जीत हासिल की। वोटों की

शुरूआती गिनती से ही उन्होंने बढ़त बनाए रखी थी। विद्यार्थी परिषद की तान्या कुमारी दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि एनएसयूआई के शेख शाहनवाज तीसरे पायदान पर रहे।

जनरल सेक्रेट्री पद पर कौन जीता?

जनरल सेक्रेटरी के पद पर भी लेफ्ट ने विजय प्राप्त की है।

'हम वादा करते हैं, देश का नाम रोशन करेंगे', राष्ट्रपति से मुलाकात कर इमोशनल हुई जेमिमा, वीडियो वायरल

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से करारी शिकस्त देकर भारतीय महिला टीम ने इतिहास रचने का काम किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह जीत भारत के लिए बेहद खास है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर 52 सालों का सूखा खत्म किया। राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात के दौरान टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने इमोशनल होकर अपनी बात रखी। उन्होंने देश में महिला क्रिकेट को मिल रही बढ़ती पहचान और बदलावों के लिए आभार व्यक्त किया। रोड्रिग्स ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि हर कोई महिला क्रिकेट को फॉलो कर रहा है। बीसीसीआई के कारण महिला क्रिकेट में कई बदलाव आए हैं, जैसे वेतन समानता और महिला प्रीमियर लीग के आने से खिलाड़ियों को फायदा मिला।

जेमिमा ने इस मौके पर महिला क्रिकेट के पुराने खिलाड़ियों को याद किया, जिन्होंने बिना किसी शोहरत, पैसे या पहचान के इस खेल को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हमसे पहले लड़कियों का एक समूह था जिन्होंने बिना शोहरत, पैसे, समर्थन या पहचान के यह सब किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अंबाजी से 'जनजातीय गौरव यात्रा' का शुभारंभ कराएंगे

- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, जनजातीय गौरव वर्ष का उत्सव
- 14 आदिजाति जिलों सहित राज्यभर में जन जागृति तथा आदिजाति गौरव के संदेश के साथ जनजातीय गौरव यात्रा का राज्य सरकार का आयोजन
- 7 से 13 नवंबर तक अंबाजी से एकता नगर तथा उमरगाम से एकता नगर रूट पर यात्रा भ्रमण करेगी
- रूट पर स्थित गाँवों में रथयात्रा के माध्यम से स्वास्थ्य जाँच शिविर, सेवा सेतु, सामूहिक स्वच्छता सहित सेवाभावी कार्यक्रम जन भागीदारी से आयोजित होंगे
- अंबाजी में मुख्यमंत्री द्वारा यात्रा के शुभारंभ अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी सहित राज्य मंत्री उपस्थित रहेंगे

गांधीनगर, 06 नवंबर:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल 7 नवंबर शुक्रवार को आद्यशक्ति धाम अंबाजी से 'जनजातीय गौरव यात्रा' का शुभारंभ कराएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस वर्ष आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उत्सव मनाया जा रहा है। आज की पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा की अगुवाई में आदिजातियों के ऐतिहासिक योगदान को जाने-समझे तथा उससे राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा प्राप्त करे; इस उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस वर्ष को 'जनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।

गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में 'जनजातीय गौरव वर्ष उत्सव' अंतर्गत आयोजित हो रही जनजातीय गौरव यात्रा के अंबाजी से शुभारंभ अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी सहित राज्य मंत्री सर्वश्री पी. सी. बरंडा, कमलेशभाई पटेल, प्रवीणभाई माली तथा स्वरूपजी ठाकोर उपस्थित रहेंगे।

बिहार चुनावः धर्म-अधर्म की लड़ाई में सीएम मोहन यादव का तूफानी प्रचार, कांग्रेस पर तीखा हमला

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार कर रहे हैं, एनडीए की उपलब्धियों को उजागर कर रहे हैं और मतदाताओं से पार्टी का समर्थन करने का आग्रह कर रहे हैं। वह विपक्ष की आलोचना करते हैं और भारत की सांस्कृतिक विरासत पर जोर देते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में प्रचार अभियान जोरों पर है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 नवंबर को बिहार के मधुबनी जिले की बिस्फी और गया जिले की वजीरगंज विधानसभा में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं कीं। जनसभाओं में उमड़ा जनसैलाब उनकी लोकप्रियता का प्रमाण बना।

राहुल गांधी ने बिहार चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाया, मुख्य चुनाव आयुक्त और अधिकारियों की आलोचना की

(जीएनएस)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत निर्वाचन आयोग पर बिहार में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त, जिसे वह "लोकतंत्र की हत्या" बता रहे हैं, में शामिल हैं। उनका दावा है कि त्नइखढन्न नेता और कार्यकर्ता, जिन्होंने अन्य राज्यों में वोट दिया है, वे भी बिहार में वोट डाल रहे हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया खतरे में पड़ गई है।

राहुल गांधी ने बिहार में वोट चोरी का दावा किया

पर एक पोस्ट में, गांधी ने भारत के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने पहले हरियाणा में चुनावी हेरफेर का सबूत दिखाया था। उन्होंने बिहार में अपनी हालिया वोटर अधिकार यात्रा पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य त्नरकम्न्न के माध्यम से मतदाता सूची में हेरफेर के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। गांधी के अनुसार, बिहार से मिली रिपोर्ट और वीडियो चुनावी धोखाधड़ी के दावों की और पुष्टि करते हैं।

गांधी का आरोप है कि लाखों मतदाताओं को मतदाता सूची से हटा दिया गया है और व्यक्तियों को मतदान केंद्रों पर वोट डालने से रोका जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह से बनी सरकार युवाओं और आम जनता के हितों की सेवा नहीं करेगी। उन्होंने विशेष रूप से ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी को इन कथित कार्यों के लिए जिम्मेदार चुनाव आयोग के प्रमुख व्यक्ति के रूप में नामित किया।

उनकी टिप्पणियां प्रियंका गांधी वाड्रा की टिप्पणियों के अनुरूप हैं, जिन्होंने त्नठऊअत्न पर हरियाणा की तरह ही बिहार में विधानसभा चुनावों में हेरफेर करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और मधुबनी जिलों में रैलियों में बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने के लिए सरकार के साथ सहयोग कर रहा है।

प्रियंका गांधी ने दावा किया कि इस कथित योजना के हिस्से के रूप में बिहार में मतदाता सूची से 65 लाख वोट हटाए जा रहे थे। राहुल गांधी ने पहले हरियाणा की चुनावी सूची में 25 लाख फर्जी प्रविष्टियों का डेटा उद्धृत किया था, जिसमें चुनाव आयोग पर त्नइखढन्न के साथ मिलकर उसकी जीत सुनिश्चित करने का आरोप लगाया गया था।

राहुल गांधी के वोटर लिस्ट विवाद पर मोहन यादव का पलटवार, शिवराज ने बताया क्यों नहीं मिलता वोट

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण आज (6 नवंबर 2025, गुरुवार) 121 सीटों पर जोर-शोर से शुरू हो गया है, लेकिन चुनाव से ठीक एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोपों ने राजनीतिक हलचल मचा दी है। राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि वोटर लिस्ट में 2 करोड़ नाम गायब हैं, और यह 'लोकतंत्र की हत्या' है।

इस पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में तीखा पलटवार किया, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली से राहुल को ललकारा। यादव ने कहा, "बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है, जब बिहार में वोट डालने का पहला चरण शुरू हो गया, ऐसे में नेता प्रतिपक्ष हरियाणा चुनाव की बात निकालकर भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।" वहीं, शिवराज ने तंज कसा, "राहुल ने हार स्वीकार कर ली है।

जनता मछली पकड़ने या जलेबी बनाने के लिए वोट नहीं देगी।" यह बयानबाजी न केवल बिहार चुनाव को प्रभावित कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस ५२ भाजपा की जंग को तीखा बना रही है। आइए, जानते हैं इस पूरे विवाद की पूरी दास्तां - राहुल के आरोपों से लेकर नेताओं के पलटवार और बिहार चुनाव के तापमान तक।

बिहार चुनाव का पहला चरणः 121 सीटों पर 73% वोटिंग, सुशासन ५२ जंगलराज की जंग

बिहार विधानसभा के 243 सीटों में से पहले चरण के 121 निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हो गई। निर्वाचन आयोग के अनुसार, दोपहर 3 बजे तक 73% मतदान दर्ज हुआ, जो पिछले चुनाव के 71% से अधिक है। सीमांचल, कोसी, मगध और तिरहुत क्षेत्रों में 40% सीटें हैं, जहां एनडीए (भाजपा, जदयू) और महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस) के बीच कांटे की टक्कर है। प्रमुख मुकाबलेः भागलपुर (अजय मंडल ५२ अजय सिंह), बेगूसराय (गिरिराज सिंह ५२ तनवीर हसन)।

चुनाव का मुद्दाः सुशासन (नीतीश कुमार का दावा), विकास (भाजपा का एजेंडा) ५२ जंगलराज का आरोप (आरजेडी)। राहुल गांधी ने 5 नवंबर को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां कहा, "वोटर लिस्ट में 2 करोड़ नाम गायब, 50 लाख फर्जी वोटर। यह चोरी है।" कांग्रेस ने एश्ट हैकिंग का भी जिक्र किया। लेकिन मतदान शांतिपूर्ण रहा, कुछ जगहों पर तकनीकी खराबी से देरी।

मशहूर अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का हुआ निधन

70 के दशक की मशहूर अदाकारा और पार्श्वगायिका सुलक्षणा पंडित का गुरुवार को 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके भाई, संगीतकार ललित पंडित ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। परिवार के मुताबिक, वह लंबे समय से अस्वस्थ थीं। ललित पंडित ने बताया कि सुलक्षणा पंडित का निधन गुरुवार रात लगभग 8 बजे मुंबई के नानावती अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट के कारण हुआ। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार, 7 नवंबर को दोपहर में किया जाएगा। फिल्म जगत के उनके प्रशंसकों और सहयोगियों ने उनकी मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

सम्पादकीय

ज्यादा मतदान – शुभ संकेत

बिहार में चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में शाम पांच बजे तक 60.18 प्रतिशत मतदान से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि बिहार में लोग राजनीतिक मामले में बहुत परिपक्व हैं। प्रायः यह माना जाता है कि जब ज्यादा वोट डाले जाते हैं तो समझ लेना चाहिए कि वोटर ने सत्ता विरोधी मतदान किया है। तर्व इसके विपरीत भी दिए जाते हैं, वुछ लोगों का मानना है कि सत्ता पक्ष में रुझान होने के कारण भी मतदान बढ़ जाते हैं। इसलिए सत्ता पक्ष के समर्थक कहते हैं कि उनके गठबंधन में शामिल पार्टियों को ही मतदाताओं ने वोट दिया है। इसलिए वोटों के प्रतिशतता बढ़ने के मामले में मात्र अनुमान ही लगाया जा सकता है। ज्यादा मतदान होने के कई कारण होते हैं। पहला कारण तो यह होता है कि 5 सालों बाद चुनाव आते हैं तब तक मतदाताओं की संख्या बढ़ जाती है कितु यह दावा करना नितांत नासमझी होती है कि बढ़े हुए वोटर किसी एक ही पार्टी को वोट देंगे। सच तो यह है कि न तो कम वोटिंग का मतलब वोटरों की उदासीनता है यानि कि वोटर सत्ता से संतुष्ट हैं और उन्हें सरकार बदलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती बल्कि उदासीन वोटर मानते हैं कि जैसा चल रहा है, वैसा चलना चाहिए। इसी के साथ अनुमान लगाने वाले ज्यादा वोटिंग को बदलाव के पक्ष में मान लेते हैं। कई बार ये अनुमान गलत साबित होते हैं। दरअसल वोटर तो अपना काम करते हैं और कई कारणों से प्रभावित होते हैं कितु भारतीय मीडिया विश्लेषण करने में भावानात्मक तरीका (सब्जेक्टिविटी का तरीका) अपनाती है। आज भी यदि मीडिया पुरानी परिपाटी से ही समीक्षा करेगी तो वह इसी तरह के परिणाम निकालेगी। सच तो यह है कि युवा पीढ़ी कल्पना लोक में नहीं रहना चाहती बल्कि उसकी अपनी समस्याएं और उसके अपने लक्ष्य हैं। इसीलिए उनके सोचने के तरीके अपने बाप–दादाओं से बिल्वुल बदल चुके हैं। कितु बिहार का मतलब मात्र जाति से ही जोड़ा जाता है। मसलन हमें अपना वर्चुअल नजरिया बदलना होगा। अब आग्मेंटेटिव दृष्टिकोण से वोटर राजनेताओं को देखता है। मीडिया की खबरें और मांग पर आधारित होती हैं इसीलिए अण्ड–बण्ड परिणाम भी अनुमान के आधार पर ही निकाले जाते हैं। बहरहाल परिणाम वुछ भी हो छोटी–मोटी घटनाओं को छोड़कर चुनाव के वक्त किसी बड़ी हिंसा की खबर न आना चुनाव आयोग की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया जा सकता है। श्रेय राजनीतिक दलों को भी मिलना चाहिए जिन्होंने वोटिंग के दिन अपने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों के प्रति सहिष्णुता का व्यवहार किया। चुनाव में जीत तो एक की ही होनी है, बाकी सारे प्रत्याशियों को तो हार का सामना ही करना पड़ेगा। लोकतंत्र में इसी सहिष्णुता का महत्व है। इतना जरूर है कि यह चुनाव एनडीए और इंडिया महागठबंधन दोनों के भविष्य के लिए निर्णायक साबित होने वाला है। लोकतंत्र में सभी पार्टियां जीतने के लिए चुनाव लड़ती हैं, इसीलिए जीत के दावे सभी करती हैं कितु सत्ता वही हासिल कर पाती हैं जिन्हें जनता जनार्दन आशीर्वाद देती है। यही तो भारतीय लोकतंत्र की गरिमा है कि जीतने के बाद एक पार्टी या गठबंधन जन सेवा में जुट जाती है जबकि हारी हुई पार्टी भी अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के तहत जन सेवा करती है।

भारत पर्व : एकता, संस्कृति और सृजनात्मकता के जश्न का मंच

- भारत पर्व में आकर्षण का केंद्र बनी गोवा की नारियल हस्तकला
- समुद्र और नारियल की हस्तकला मेरी पहचान बन गए हैं : विजयदत्ता लोटलीकर, नारियल शिल्प कलाकार
- 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संदेश के साथ भारत पर्व में सुनाई दी गोवा की गूंज
- एकता नगर का भारत पर्व बना सांस्कृतिक एकता और कला के उत्सव का प्रतीक

गांधीनगर, 06 सितंबर : एकता नगर में चल रहे 'भारत पर्व' के अंतर्गत देश की कला, संस्कृति, और हस्तकला की विविधताओं का जीवंत उत्सव मनाया जा रहा है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में पहली बार आयोजित भारत पर्व में देश का प्रत्येक राज्य अपनी विशिष्ट परंपरा, स्वाद, संगीत और सृजनात्मकता का परिचय दे रहा है। इस सांस्कृतिक उत्सव में गोवा के हस्त शिल्प कलाकार विजयदत्ता लोटलीकर की नारियल के खोल से बनी कलाकृतियां सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए तटीय राज्य की पहचान बन गई है।

भारत पर्व में हिस्सा ले रहे नारियल शिल्प कलाकार विजयदत्ता लोटलीकर ने बताया कि एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में भाग लेने का अवसर उनके लिए सुखद अनुभव है। यहां गुजरात के लोगों और पर्यटकों का शानदार समर्थन मिल रहा है। सभी लोगों ने हमारे उत्पादों में बहुत अधिक रुचि दिखाई है और जमकर खरीदारी भी की है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान 'वोकल फॉर लोकल' के माध्यम से स्वदेशी वस्तुओं का एक नया बाजार मिला है। भारत पर्व के जरिए हमें वैश्विक पहचान भी मिली है। उम्मीद है कि भविष्य में यहां हमारा व्यवसाय और अधिक बढ़ेगा। भारत पर्व सचमुच ही विविधता में एकता का प्रतिबिंब है, जहां हर कला, हर बोली और परंपरा साथ मिलकर भारत की एकता और रचनात्मकता की अनूठी झलक प्रदर्शित करती है। हमारे लिए भारत पर्व हस्तकला की परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ–साथ रोजगार और गौरव का माध्यम बना है। हमारे लिए एक ही मंच पर भारत की सभी कलाओं को देखना अपने आप में एक उत्सव है।

श्री लोटलीकर ने कहा कि समुद्र और नारियल के हस्तशिल्प मेरी पहचान बन गए हैं। जहां, मिट्टी और लकड़ी से बने शिल्प आम हैं, वहीं हम नारियल के खोल से दीये, आभूषण, बर्तन, लाइट शेड्स, डेकोरेटिव आर्ट की वस्तुओं जैसी अनेक कलाकृतियां बनाते हैं। हमारी हरेक कलाकृति में कारीगरों की रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति संवेदना की झलक दिखाई देती है। स्थानीय और विदेशी आगंतुक इन कृतियों को उत्साह से खरीदकर गोवा की परंपरा को निकट से महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के तटीय क्षेत्र के कलाकारों की कृतियां भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्रतिबिंब हैं। हस्त कलाकार अपने कौशल से रोजगार का सृजन कर रहे हैं और देश के प्रत्येक कोने में बनने वाले स्वदेशी उत्पाद आज दुनिया भर में भारत की पहचान बन रहे हैं। लोटलीकर ने गर्व के साथ बताया कि नारियल हस्तशिल्प ने अब भारत के साथ–साथ विदेशी बाजारों में भी अपनी मांग बनाई है। उनकी कला अब देश की सीमाएं पार कर इंग्लैंड, फ्रांस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा तक पहुंच चुकी है और वहां से उन्हें कस्टमाइज्ड प्रोडक्ट के ऑर्डर मिल रहे हैं।

विजयदत्ता लोटलीकर को उनकी रचनात्मक कृतियों के लिए वर्ष 2018 में राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है, जो उनकी मेहनत औक कला के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

एकता पर्व के अंतर्गत आयोजित यह उत्सव 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संदेश को मजबूत बना रहा है। यहां लगाए गए स्टॉलों पर विभिन्न राज्यों की हस्तकला, व्यंजन और लोककलाओं का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

७–७–७

म.प्र. शिवपुरी में नकली डीएपी खाद का बड़ा घोटाला, 1200 बोरी बरामद, किसकी की सूचना पर प्रशासन की छापेमारी, जानिए

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में किसानों को ठगने वाला एक बड़ा नकली खाद घोटाला सामने आया है। शहर के सर्किल जेल के पास बड़ौदी क्षेत्र में गुरुवार (6 नवंबर 2025) शाम को प्रशासनिक टीम ने एक गोदाम पर छापा मारा, जहां से करीब 1200 बोरी नकली डीएपी (डाय–अमोनियम फॉस्फेट) खाद बरामद की गई। इस माल की अनुमानित कीमत 16 लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है।

जांच में पता चला कि कोलारस के दो युवक – दीपक अग्रवाल और विकास उर्फ मोनू कदम – ने एक महीने से गोदाम किराए पर लेकर नकली खाद तैयार कर बाजार में असली के दाम पर बेच रहे थे। बोरियां असली डीएपी की तरह पैक की गई थीं, लेकिन अंदर मिलावटी सामग्री भरी हुई थी।

भारतीय किसान संघ (इङर) की सूचना पर हुई इस कार्रवाई ने न केवल घोटाले का पदार्फाश किया, बल्कि किसानों को सतर्क रहने का संदेश भी दिया। गोदाम सील कर दिया गया है, और आरोपियों के खिलाफ ऋक्षफ दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आइए, जानते हैं इस पूरे घटनाक्रम की पूरी दास्तां – सूचना से छापेमारी तक, नकली खाद का कारोबार और किसानों पर प्रभाव।

बड़ौदी क्षेत्र में छापेमारीः 1200 बोरी नकली डीएपी जब्त, 16 लाख का घोटाला

शिवपुरी शहर के सर्किल जेल के निकट बड़ौदी इलाके में स्थित एक गोदाम पर गुरुवार शाम करीब 5 बजे कृषि विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने धावा बोल दिया। टीम ने गोदाम के अंदर पहुंचते ही नकली खाद की 1200 बोरी बरामद कीं, जो असली डीएपी खाद की पैकेजिंग में भरी हुई थीं। प्रत्येक बोरी 50 किलो की बताई जा रही है, और बाजार मूल्य 1350 रुपये प्रति बोरी होने से कुल मूल्य 16 लाख 20 हजार रुपये आंका गया। गोदाम में मिलावटी सामग्री – सस्ती रासायनिक खाद, चूना और अन्य बेकार तत्व – से भरी बोरी तैयार की जा रही थीं, जो असली डीएपी (23% नाइट्रोजन, 46% फॉस्फेट) की नकल कर किसानों को बेची जा रही थीं।

कृषि उप संचालक पान सिंह करौरिया ने बताया, "यह कार्रवाई किसान संघ की सूचना पर आधारित थी। गोदाम में 1200 से अधिक बोरी तैयार थीं, जो बाजार में छोड़ दी जातीं तो हजारों किसानों की फसल बर्बाद हो जाती।" तहसीलदार सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, "मिलावट इतनी बारीक थी कि सामान्य नजर से असली लगती। लेकिन लैब टेस्ट से साफ हो गया।" छापे के दौरान गोदाम चौकीदार देवेंद्र रावत को हिरासत में लिया गया, जो पूछताछ में मुख्य आरोपी दीपक अग्रवाल और विकास कदम के नाम उजागर हुए। दोनों कोलारस के रहने वाले हैं और फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी है।

किसान संघ की सूचनाः इङर अध्यक्ष ब्रजेश धाकड़ की तत्परता से भंडाफोड़

इस घोटाले का भंडाफोड़ भारतीय किसान संघ (इङर) की सक्रियता से हुआ। जिला अध्यक्ष ब्रजेश धाकड़ ने बताया, "हमें स्थानीय किसानों से शिकायत मिली कि बाजार में सस्ती डीएपी मिल रही है, लेकिन फसल पर असर नहीं हो रहा। जांच में बड़ौदी गोदाम का पता चला। हमने तुरंत कृषि विभाग को सूचना दी।" धाकड़ ने कहा, "रबी सीजन शुरू होने से पहले यह कार्रवाई जरूरी थी। नकली खाद से गेहूं–चना की फसल बर्बाद हो जाती।"

इङर ने हाल ही में 'कृषि जागरूकता अभियान' चलाया था, जिसमें किसानों को नकली खाद की पहचान सिखाई गई। धाकड़ ने अपील की, "किसान लाइसेंस चेक करें, और संदिग्ध सामग्री की सूचना दें।" इस कार्रवाई से इङर की भूमिका सराहनीय रही, और जिला प्रशासन ने उनका धन्यवाद किया।

नकली खाद का कारोबारः एक महीने से चल रहा धंधा, कोलारस के युवकों का खेल

जांच में सामने आया कि दीपक अग्रवाल (उम्र 28 वर्ष) और विकास उर्फ मोनू कदम (उम्र 26 वर्ष) ने गोदाम मालिक वीरेंद्र गुप्ता से किराए पर लेकर 1 अक्टूबर से नकली खाद का धंधा शुरू किया था। चौकीदार देवेंद्र रावत ने बताया, "दोनों रोज रात में आते, सस्ती सामग्री मिक्स कर बोरी भरते। असली डीएपी की पैकेजिंग चुराकर या नकली लेबल लगाते। बाजार में 1200 रुपये में बेचते, जबकि असली 1350 है।"

आरोपियों ने कोलारस के स्थानीय बाजारों और पड़ोसी जिलों (गुना, अशोकनगर) में सप्लाई की थी। अनुमान है कि एक महीने में 50 लाख का कारोबार हुआ। कृषि विभाग ने सैंपल लैब भेजे, जहां मिलावट की पुष्टि हुई। सहायक संचालक कृषि किरण रावत ने कहा, "मिलावट से फसल की उपज 30–40% घट सकती थी।"

गोदाम सील और कानूनी कार्रवाईः ऋक्षफ दर्ज, आरोपी फरार – पुलिस की तलाश तेज

प्रशासन ने गोदाम को तुरंत सील कर पंचनामा तैयार किया। एसएडीओ संदीप रावत ने बताया, "वीरेंद्र गुप्ता से पूछताछ की, जो किराएदारों को जिम्मेदार ठहरा रहे।" कृषि उप संचालक पान सिंह करौरिया ने कहा, "कोतवाली थाने में धारा 420 (धोखाधड़ी), 273 (मिलावटी वस्तु बेचना) और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत ऋक्षफ दर्ज कराई जा रही है। दोनों आरोपी फरार हैं, लेकिन उनके मोबाइल लोकेशन ट्रैक हो रही।" पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तारी का दावा किया।यह कार्रवाई मध्य प्रदेश में चल रहे नकली खाद विरोधी अभियान का हिस्सा है, जहां 2025 में 50 से अधिक छापे हुए।

किसानों पर प्रभावः फसल बबार्दी का खतरा, चेतावनी – लाइसेंस चेक करें

नकली डीएपी से किसानों को भारी नुकसान होता – फॉस्फोरस की कमी से जड़ें कमजोर, उपज घटती। शिवपुरी में 2 लाख हेक्टेयर रबी फसल प्रभावित हो सकती। अधिकारियों ने अपील कीः "खाद–बीज लाइसेंसधारी दुकानों से खरीदें। संदिग्ध सामग्री की सूचना कृषि हेल्पलाइन (181) पर दें।" इङर ने जागरूकता कैंप लगाने का ऐलान किया।

16 साल के अंतराल के बाद आमिर खान ने अवॉर्ड शो में दिखाई झलक, इस वजह से अवॉड्र्स में पहुंचे

(जीएनएस)।

आमिर खान बॉलीवुड के सबसे बड़े और बेहतरीन सुपरस्टार्स में से एक हैं, जो लगातार शानदार प्रदर्शन देने के लिए जाने जाते हैं। सुपरस्टार ने कई यादगार भूमिकाएँ निभाई हैं, लेकिन वह उन कुछ ही एक्टर्स में से हैं जो अवॉर्ड फंक्शन में शामिल होने से बचते हैं। हालांकि उन्होंने लंबे समय से किसी अवॉर्ड इवेंट में शिरकत नहीं की थी, लेकिन उन्होंने दिवंगत महान लता मंगेशकर के सम्मान में आयोजित मास्टर दिनानाथ मंगेशकर अवॉड्र्स में शामिल होकर कुछ नया किया।

आमिर खान, जो आमतौर पर अवॉर्ड कार्यक्रमों में शामिल नहीं होते, 16 साल बाद एक कार्यक्रम में पहुंचे जब लता मंगेशकर ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से बुलाया। जहां, उन्हें फिल्म दंगल में उनके बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए खास अवॉर्ड दिया गया।

इसके अलावा, आर.के. लक्ष्मण अवॉर्ड आमिर खान को पुणे में 23 नवंबर 2025 को दिया जाएगा, साथ में ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान का लाइव कॉन्सर्ट भी होगा। यह समारोह शाम 5 बजे टउअ क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा, जहाँ संगीत और यादें मिलकर उस कार्टूनिस्ट को सम्मानित करेंगी, जिसने भारत के सबसे प्रिय पात्रों में से एक, द कॉमन मैन, को बनाया था।

दिवंगत आर.के. लक्ष्मण भारत के सबसे पसंदीदा कार्टूनिस्टों में से एक रहे हैं। वे अपने मशहूर कार्टून स्ट्रिप यू सेड इट और द कॉमन मैन किरदार के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने कार्टून के जरिए आम लोगों की ज़िंदगी, उनकी मुश्किलें और समाज की सच्चाई को हंसी और सोच के साथ पेश किया, जिससे लोग न सिर्फ हँसते थे बल्कि सोचते भी थे।

उन्होंने अपने भाई आर.के. नारायण द्वारा लिखी मशहूर टीवी सीरीज "मालगुड़ी डेज" के लिए भी स्केच बनाए थे। अपने जीवन में उन्हें कई सम्मान मिले, जिनमें पद्म भूषण, पद्म विभूषण, और मैसूर यूनिवर्सिटी की ओर से हॉनरेरी डॉक्टरेट डिग्री शामिल है।

इसके अलावा, आमिर खान को हाल ही में घोषित फ्ङ लक्ष्मण पुरस्कार फॉर एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा। फ्ङ लक्ष्मण के परिवार द्वारा स्थापित यह पुरस्कार, आमिर खान को मिलने वाला पहला प्रतिष्ठित सम्मान होने जा रहा है।

फातिमा बॉश कौन हैं ? मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के मंच पर दिखाई ऐसी हिम्मत, हर कोई कर रहा तारीफ

(जीएनएस)।

थाईलैंड में आगामी मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता से पहले, मैक्सिको की फातिमा बॉश से जुड़ा एक विवाद सुर्खियां बटोर रहा है। फातिमा बॉस ने मंच पर ऐसी हिम्˜ मी दिखाई है कि ब्यूटी कंटेस्ट को लेकर हर ओर चर्चा हो रही है।

दरअसल,मिस मेक्सिको फातिमा बॉश और थाईलैंड के डायरेक्टर नवाट इट्सराग्रिसिल के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस घटना के बाद कई कंटेस्टेंट और यहां तक कि मिस यूनिवर्स भी लाइव शो छोड़कर चले गए, जिससे विवाद गहरा गया।

डायरेक्टर ने फातिमा बॉस की लगाई फटकार, मूर्ख कहा

यह विवाद मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में शुरू हुआ। मिस यूनिवर्स थाईलैंड के निदेशक नवात इत्सराग्रिसिल ने फातिमा बॉश को थाईलैंड से संबंधित प्रचार सामग्री पोस्ट न करने के लिए सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई। नवात इत्सराग्रिसिल ने फातिमा बॉश पर सोशल मीडिया पर थाईलैंड का पर्याप्त प्रचार न करने का आरोप लगाया और कथित तौर पर उन्हें नेशनल डॉयरेक्˜ टर के आदेशों का पालन न करने के लिए "मूर्ख" कहा।

इस पर फातिमा ने कड़ी आपत्ति जताई। फातिमा बॉस ने कहा, "यह मेरी गलती नहीं है कि आपको मेरे मैक्सिकन संगठन से समस्या है।" इसके जवाब में, नवात ने सुरक्षाकर्मियों को बुला लिया और फातिमा का समर्थन करने वाली अन्य प्रतिभागियों को भी अयोग्य घोषित करने की धमकी दी। इस घटना के बाद फातिमा बॉश और कुछ अन्य प्रतियोगी कार्यक्रम से बाहर चले गए।

पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद मिस मेक्सिको 2025 की प्रतियोगी फातिमा बॉश के समर्थन में ऑनलाइन फैन्स ने डायरेक्टर नवाट के प्रति अपना गुस्सा जाहिर किया और चूंकि फातिमा बॉश पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर डटी रहीं, जिससे उन्हें काफी प्रशंसा मिली।

इस बड़े विवाद के बाद, डायरेक्टर नवाट इट्सराग्रिसिल ने एक लाइव स्ट्रीम के माध्यम से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय उनकी भावनाएं उन पर हावी हो गई थीं।

जिसके बाद मिस मेक्सिको फातिमा बॉश अगले कार्यक्रम के लिए मंच पर वापस आईं, लेकिन उनकी आंखें नम थीं। फातिमा बॉश ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, फातिमा बॉश ने बाद में कहा, "मुझे थाईलैंड बहुत पसंद है और मैं सभी का सम्मान करती हूं। मुझे लगता है कि वे अद्भुत लोग हैं। लेकिन डायरेक्टर ने जो किया वह अपमानजनक था। उन्होंने मुझे मूर्ख कहा क्योंकि उन्हें संस्था से समस्या है। मुझे लगता है कि यह अनुचित है। दुनिया को यह देखना जरूरी है, क्योंकि हम सशक्त महिलाएं हैं और यह मंच हमारी आवाज के लिए है। इसे कोई दबा नहीं सकता।"

इस विवाद के बाद, मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन (MUO) ने नवात के व्यवहार की निंदा की। यह घटना मंगलवार को हुई, जब मिस यूनिवर्स प्रतिभागी अपने–अपने देशों में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की विजेता के रूप में अपने सैश और गाउन पहनकर कार्यक्रम में शामिल हुई थीं।

फातिमा बॉश, का जन्म सैंटियागो डी टीपा,टबैस्को में हुआ है। फातिमा, ने फैशन डिजाइन की स्टडी की है। डिस्लेक्सिया तथा एडीएचडी जैसी चुनौतियों का सामना किया है, जिन्हें उन्होंने अपनी ताकत में बदला है। उन्होंने 2018 में तबास्को में फ्लोर डी ओरो का ताज जीतकर अपने सौंदर्य प्रतियोगिता के सफर की शुरूआत की।

26 वर्षीय फातिमा बॉश एक ब्यूटी क्वीन हैं और बैंकॉक में हुई इस घटना के बाद वह मैक्सिकन गरिमा और आत्म–सम्मान का प्रतीक बन गई हैं। वह मॉडलिंग और सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। वह उन प्रतियोगियों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो सौंदर्य प्रतियोगिताओं को सिर्फ ग्लैमर और गाउन से बढ़कर मानती हैं।

वर्तमान हो या भविष्य, यह कहानी हर युग के लिए उदाहरण होगी।'

एलएल

इंतजार खत्म हुआ! "कुरुक्षेत्र" अपने आखरी अध्याय के साथ वापस लौट आया है और सिर्फ. नैटफ्लिक्स पर इसका प्रसारण हो रहा है।

वह धर्मयुद्ध जो सही या गलत के प्रश्नों से शुरू हुआ था, एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर आ पहुँचता है, जहाँ गठबंधन टूटते हैं, किस्मतों के फैसले होते हैं और धर्म की परीक्षा होती है।

'धर्म के इस युद्ध में कुछ बलिदान तो देना पड़ेगा,' – इस रोमांचकारी अंत में 18 योद्धाओं में हर एक योद्धा अपने फैसलों की कीमत चुकाता है और इस तरह यह गाथा पूरी होती है।

जेसे जेसे युद्धघोष शांत होते हैं और तीर अपने लक्ष्यों को बेधते हैं, बस एक ही प्रश्न बचता हैः कौन रहेगा धर्म पर कायम और कौन होगा महत्वकांक्षा का शिकार ?

देखिए "कुरुक्षेत्र" के सभी 18 एपिसोड अब सिर्फ. नैटफ्लिक्स पर

बिहार के कुसम्ही गांव में सिर्फ 3 लोगों ने डाला वोट? थमी लोकतंत्र की रफ्तार

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में जहां पूरे राज्य में वोटिंग को लेकर उत्साह देखा जा रहा है, वहीं भोजपुर जिले के अगिआंव विधानसभा क्षेत्र के कुसम्ही गांव में एक अलग ही नजारा देखने को मिला।

यहां के ग्रामीणों ने वोटिंग का बहिष्कार किया। 6 नवंबर को दोपहर 2 बजे तक सिर्फ तीन लोगों ने ही गांव में वोट किया। गांव वालों ने "रोड नहीं तो वोट नहीं" का नारा लगाते हुए मतदान का बहिष्कार कर दिया। दोपहर 2 बजे तक यहां के 900 मतदाताओं में से केवल 3 लोगों ने ही वोट डाला।

900 मतदाताओं में केवल तीन ने डाला वोट

दैनिक भास्कर के मुताबिक चरपोखरी प्रखंड के तहत आने वाले कुसम्ही गांव के मतदान केंद्र संख्या 175 पर सन्नाटा पसरा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि सालों से सड़क निर्माण का वादा सिर्फ कागजों पर होता रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। नाराज ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी थी कि जब तक सड़क नहीं बनेगी, तब तक गांव से कोई वोट नहीं डालेगा।

अधिकारियों ने मनाने की कोशिश की, लेकिन नहीं माने गांवे वाले

मतदान बहिष्कार की सूचना मिलने के बाद पीरों एसडीओ कृष्णकांत उपाध्याय खुद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को मतदान के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने समझाया कि मतदान ही अपनी समस्याओं का समाधान लाने का तरीका है, लेकिन लोगों ने अपनी मांग पर अड़े रहते हुए वोट डालने से साफ इनकार कर दिया।

"रोड नहीं तो वोट नहीं" बना जनता का नारा

गांव के निवासियों के मुताबिक, "हम लोग कई सालों से सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। अब जब तक सड़क नहीं बनेगी, वोट भी नहीं देंगे।" ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले ही चरपोखरी बीडीओ को इस फैसले की जानकारी दी थी, लेकिन फिर भी प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती

प्रेसाइडिंग ऑफिसर डॉ. रमेश प्रसाद के मुताबिक, दोपहर दो बजे तक केवल तीन वोट डाले गए थे। अब तक कोई नई प्रगति नहीं हुई है। प्रशासन के लिए यह मामला सिर्फ एक गांव का नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और विकास वादों की सच्चाई का भी सवाल बन गया है।

कुसम्ही गांव का यह विरोध इस बात का प्रतीक है कि बिहार चुनाव में अब लोग सिर्फ वोट नहीं दे रहे, बल्कि विकास के बदले जवाब भी मांग रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

अखिल भारतीय रेल सुरक्षा बल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025 का वडोदरा में आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने किया प्रतियोगिता का शुभारम्भ

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के रेल सुरक्षा बल द्वारा वडोदरा के वाघोडिया स्थित स्पोर्ट्स परिसर में 41 वीं अखिल भारतीय रेल सुरक्षा बल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025 का 12 नवंबर, 2025 तक आयोजन किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप का शुभारम्भ स्पोर्ट्स परिसर में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि एवं वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के कर कमलों द्वारा किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी तथा खिलाड़ियों से खेल को खेल भावना से खेलने एवं अनुशासन तथा सम्मान के साथ प्रतिस्पर्धा करने का आवाहन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को रेल सुरक्षा बल की गरिमा को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

खिलाड़ीओं के प्रति अपने स्वागत सम्बोधन में उन्होंने आगे बताया कि इस वर्ष एवं इस प्रतियोगिता की विजेता टीम को ऑल इंडिया पुलिस मीट बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेने का गौरव प्राप्त होगा, जो पश्चिम बंगाल में आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता के आर्गनाइजिंग सेकेट्री एवं मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री फ्रांसिस लोबो ने इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मनोबल और टीम भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने आगे बताया कि इस वर्ष की प्रतियोगिता में 16 क्षेत्रीय रेलवे से कुल 135 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसमें 8 गैजेटेड ऑफीसर भी है तथा 21 महिला खिलाड़ी एवं 106 अन्य खिलाड़ी सम्मलित है। यह प्रतियोगिता 12 नवंबर तक आयोजित की जा रही है।

असारवा-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए असारवा-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित करने निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 01906/01905 असारवा-कानपुर सेंट्रल-असारवा साप्ताहिक स्पेशल (6 फेरे)

ट्रेन संख्या 01906 असारवा-कानपुर सेंट्रल स्पेशल जिसे 4 नवंबर 2025 तक अधिसूचित किया गया था अब उसे 25 नवंबर 2025 तक विस्तारित किया गया है। इस तरह ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-असारवा स्पेशल जिसे 3 नवंबर 2025 तक अधिसूचित किया गया था अब उसे 24 नवंबर 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 01906 के विस्तारित फेरों की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

साबरमती-जोधपुर वंदेभारत एक्सप्रेस रीशड्यूल रहेगी

अजमेर मण्डल के अजमेर-पालनपुर रेलखण्ड के मध्य फालना स्टेशन यार्ड में फुट ओवर ब्रिज गर्डर लोचिंग हेतु ब्लॉक लिया जा रहा है। जिसके कारण साबरमती-जोधपुर वंदेभारत एक्सप्रेस रीशड्यूल रहेगी: जो इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 12462, साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस दिनांक 07.11.2025 से 10.11.2025 तक साबरमती से अपने निर्धारित समय से 01 घंटे देरी से प्रस्थान करेगी।

देव दीपावली महोत्सव समिति ने दिया सभी को धन्यवाद : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वालों का जताया आभार

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) कार्तिक पूर्णिमा पर विगत 5 नवंबर को देव दीपावली महोत्सव समिति द्वारा आयोजित देव दीपावली महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विभिन्न घाटों पर आकर्षक लाइटिंग व सजावट कराने एवं दीपक प्रज्वलित करने में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में सहयोग देने के लिए देव दीपावली महोत्सव समिति के अध्यक्ष पंडित सोहन लाल शर्मा, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, महामंत्री आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, स्वागताध्यक्ष डा. हरिकृष्ण भदौरिया, कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी, प्रयागनाथ चतुर्वेदी, योगेश उपाध्याय आवा, महेन्द्र दत्त आचार्य, रामदास चतुर्वेदी, गंगाधर अरोड़ा, पंकज शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, आशीष माहेश्वरी, अजय

चतुर्वेदी, राजेश गोयल और अंशुल अग्रवाल, आदि ने सभी ब्रजवासियों का आभार व्यक्त किया। देव दीपावली महोत्सव में समस्त ब्रजवासियों का जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वालों का भी आभार प्रकट किया। इसी के साथ द्वारकेश संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी, वेदपाठी छात्रों और जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र सिंह एवं मथुरा महानगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का और मथुरा-वृंदावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जग प्रवेश और अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार समेत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही पुलिस-प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस, मथुरा महानगर के समस्त व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का तथा देव दीपावली महोत्सव के प्रचार प्रसार में अतुलनीय योगदान देने वाले समस्त समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों के संवाददाता व छायाकारों का आभार प्रकट किया।

बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर युवक को उतारा मौत के घाट

आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम -हत्याकांड का जल्द खुलासा करने के आश्वासन पर शांत हुए आक्रोशित लोग

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) थाना मांट क्षेत्र क्षेत्र स्थित मांट-वृंदावन मार्ग पर राजकीय महाविद्यालय के समीप गुरुवार दोपहर में बाइक पर बदमाशों ने सरेराह बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई युवक की हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक तमंचा बरामद किया है। सरेराह की गई युवक की हत्या से गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने रोड़ जाम कर दिया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को थाना मांट क्षेत्र में मांट-वृंदावन रोड़ स्थित राजकीय महाविद्यालय के समीप बाइक से जा रहे मांट राजा निवासी अक्कू पुत्र विजय सिंह का पीछा करके बाइक सवार बदमाशों ने सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े की गई युवक की हत्या किए जाने की सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पहुंच गया। पुलिस ने युवक के शव के पास से एक तमंचा बरामद किया है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क पर शव को रखकर जाम लगा दिया और पुलिस पर कार्रवाई की मांग करने लगे। घटना के बाद मौके पर पहुंचे सीओ मांट आशीष शर्मा ने बताया कि घटना का जल्द खुलासा करके बदमाशों को गिरफ्तार करने का आश्वासन देते आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर जाम को खुलवा दिया। उन्होंने कहा कि युवक का हत्या का जल्द खुलासा करने के लिए पुलिस टीमों को लगा दिया गया है, जल्द ही हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गिलट व्यापारी हुआ लापता : बस स्टैंड में खड़ी मिली स्कूटी

कोतवाली और गोविंदनगर पुलिस उलझी रही सीमा विवाद में

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) महानगर के गिलट व्यापारी मनीष अग्रवाल के संदिग्ध परिस्थिति में गायब होने से सनसनी फैल गई। व्यापारी के परिजन बुधवार रात से ही उनकी तलाश कर रहे हैं लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका है। दूसरी ओर नगर कोतवाली और गोविंद नगर पुलिस ने सीमा विवाद के चलते अभी तक गुमशुदगी दर्ज नहीं की है और न ही पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई की है। इससे परिजनों और व्यापारियों में आक्रोश उत्पन्न हो गया है। जानकारी के अनुसार बुधवार शाम को चौक बाजार निवासी गिलट व्यापारी मनीष अग्रवाल घर से स्कूटी पर निकले थे। इसके कुछ देर बाद उनका फोन बंद हो गया, इस कारण उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। व्यापारी के गायब होने पर परिजनों ने पूरी रात संभावित स्थानों पर उनकी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद गुरुवार सुबह परिजनों ने दोबारा तलाश शुरू की तो नए बस स्टैंड परिसर में गायब व्यापारी मनीष की स्कूटी खड़ी हुई मिली। स्कूटी में चाबी लगी हुई थी और डिग्गी से व्यापारी की हाथ की घड़ी और मोबाइल फोन मिला है। ऐसी परिस्थिति ने घटना को संदिग्ध बना दिया है। इसी बीच परिजनों ने बताया कि मनीष के मोबाइल फोन से उनके परिचित डा. अनुराग अग्रवाल वैद्य को एक व्हाट्सऐप संदेश भेजा गया है। इस संदेश में डॉक्टर को मनीष की स्थिति का जिम्मेदार ठहराया गया है। यह संदेश मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है, हालांकि पुलिस ने अभी तक इस पहलू पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। व्यापारी मनीष की बहन संध्या और भाई कन्हैया अग्रवाल ने आरोप लगाया कि जब वह गुमशुदगी दर्ज कराने नगर कोतवाली पहुंचे तो उन्हें गोविंद नगर थाना भेज दिया गया। वहीं, गोविंद नगर थाना पुलिस ने क्षेत्र, नगर कोतवाली का बताते हुए रिपोर्ट दर्ज करने से इंकार कर दिया। दोनों थानों के बीच इस खींचतान के कारण परिजन पूरी रात और पूरा दिन परेशान होते रहे। घटना के बाद व्यापारी संगठन के सदस्य बड़ी संख्या में थाना परिसर पहुंच गए और पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस बीच व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही व्यापारी का पता नहीं लगाया गया तो वह आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

एसएसपी ने चार इंस्पेक्टर और दो उपनिरीक्षक को दी नवीन तैनाती

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) एसएसपी ने बुधवार देर रात्रि में चार इंस्पेक्टर और दो उपनिरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में बदलाव करते हुए नई तैनाती दी है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार ने बुधवार देर रात्रि में निरीक्षक रफत मजीद को थाना प्रभारी साइबर काइम, थाना प्रभारी साइबर क्राइम प्रमोद कुमार को अतिरिक्त निरीक्षक अपराध थाना हाईवे, निरीक्षक संजीव कुमार को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध थाना मांट, निरीक्षक रामजनम सिंह गौतम को थाना साइबर क्राइम से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध द्वितीय थाना छाता, एसआई मोमराज सिंह को थाना एएचटीयू से चौकी प्रभारी जिला चिकित्सालय थाना कोतवाली और चौकी प्रभारी जिला चिकित्सालय विजय कुमार सिंह को थाना हाईवे में नवीन तैनाती दी है।

किसानों पर डीएपी-यूरिया की ओवर रेट बिक्री के साथ हर बोरी जबरन थोप रहे ₹100 से ₹150 की सल्फर खाद

प्राइवेट विक्रेता सरकारी रेट का बोर्ड लगाकर कर रहे ओवररेट बिक्री, कंपनी डीलरों पर डाली जिम्मेदारी

खखरेरू/फतेहपुर रवि की फसल की बुवाई के इस सीजन में किसानों के लिए खाद की किल्लत मुसीबत बनती जा रही है। साधन सहकारी समितियों में खाद न मिलने के कारण किसान मजबूरी में प्राइवेट दुकानदारों से महंगे दामों पर खाद खरीदने को विवश हैं।

किसानों का आरोप है कि हर बोरी डीएपी या यूरिया खाद के साथ ₹100 से ₹150 कीमत की एक किलो सल्फर खाद जबरदस्ती दी जा रही है। सल्फर न लेने पर दुकानदार खाद देने से इनकार कर देते हैं।

सरकारी रेट बोर्ड सिर्फ दिखावा

प्राइवेट दुकानदारों की दुकानों के बाहर यूरिया ₹266 और डीएपी ₹1350 प्रति बोरी के सरकारी दाम बोर्ड पर अंकित हैं, लेकिन हकीकत में यूरिया ₹400 से ₹600 और डीएपी ₹1500 से ₹2000 तक में बेची जा रही है।

दुकानदार बोले — 'कंपनी की मजबूरी है'

इस मामले में कुछ प्राइवेट विक्रेताओं ने बताया कि कंपनी की ओर से हर खेप के साथ सल्फर और नैनो खाद भेजी जाती है।

'हमारे पास विकल्प नहीं होता। हमें साथ में आई सल्फर भी बेचनी पड़ती है, वरना कंपनी अगली सप्लाई रोक देती है,' — एक स्थानीय खाद व्यापारी ने बताया।

प्रभावित क्षेत्र

खखरेरू, रक्षपालपुर, दरियामऊ, गहुरा, रजनापुर चौराहा, आलमपुर गेरिया, गेट, उमरा मोड़ और भदौंहा सहित कई गांवों में यह ओवररेट बिक्री खुलेआम जारी है।

विरोध करने वाले किसानों को कई बार दुकानदार खाद देने से भी मना कर देते हैं।

किसानों की बेबसी

सहकारी समितियों में खाद उपलब्ध न होने से किसान रवि की बुवाई बाधित होने से चिंतित हैं। किसान बोले — 'फसल का समय निकल रहा है, सरकारी समितियों में खाद नहीं है, इसलिए प्राइवेट दुकान से महंगे दामों में लेना मजबूरी है।'

शराब के नशे में जेठ ने बहू को डंडों से पीटा, वीडियो वायरल

खखरेरू/फतेहपुर । थाना क्षेत्र के चंदनमऊ गांव में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। शराब के नशे में एक जेठ ने अपनी बहू को बेरहमी से डंडों से पीट दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पीड़िता हीरावती ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार दोपहर करीब तीन बजे उसका जेठ दयालाल शराब के नशे में घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। जब उसने विरोध किया, तो आरोपी ने डंडे से उसकी बुरी तरह पिटाई शुरू कर दी।

आरोप है कि इस दौरान जेठ की पत्नी राजवती और उनकी बेटी नेहा ने भी मारपीट में साथ दिया। वायरल वीडियो में दयालाल को डंडे से बहू पर वार करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और पीड़िता ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रभारी निरीक्षक खखरेरू विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है, दोषियों के खिलाफ कठोर

'तुम्हारे जैसे गुंडे को', कैमरे के सामने भिड़ गए आरजेडी एमएलसी अजय सिंह और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में पिछली बार के मुकाबले वोटिंग प्रतिशत में अच्छा-खासा इजाफा होने की उम्मीद है। इस बार मुख्य मुकाबला महागठबंधन और एनडीए के बीच है। वोटिंग के दिन ही बिहार की सियासत से जुड़ा एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

यह वीडियो डिप्टी सीएम विजय सिन्हा (एनडीए) और राष्ट्रीय जनता दल (RJD) एमएलसी अजय कुमार के बीच तीखी बहस का है। यह घटना बिहार के लखीसराय के शेखपुरा की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में दोनों नेता एक-दूसरे पर सीधा और तीखा हमला बोलते नजर आ रहे हैं।

RJD MLC अजय कुमार ने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को चुनौती देते हुए कहा कि 'तुम हो क्या, तुम अपने आपको क्या समझते हो...जवाब में विजय सिन्हा ने आरोप लगाया: 'तुम दारू पीकर हंगामा करते हो।' इस आरोप पर फखऊ एमएलसी तैश में

आ गए और बोले कि 'तुम्हारा जमानत जब्त हो गया है।' विजय सिन्हा ने प्रशासन से किसी को बुलाने की मांग करते हुए कहा कि 'ये यहां दारू पीकर हंगामा कर रहा है। इसका नाक मुंह सब चढ़ा हुआ है।'

RJD के एमएलसी ने पलटवार करते हुए चुनाव परिणाम का हवाला दिया: '14 नवंबर को नाक मुंह तो तुम्हारा उतार देंगे जब रिजल्ट आएगा।' विजय सिन्हा ने इसे धमकी बताते हुए कहा: 'तुम धमकी मत दो तुम्हारे जैसे कई को देख चुके हैं। राजद के गुंडा को हम ठीक कर देंगे। ये दारू पीकर यहां गुंडई कर रहा है। ये राजद का एमएलसी है ये गुंडई कर रहा है।'

RJD एमएलसी ने इसे चुनाव हारने की बौखलाहट करार दिया। और कहा कि, 'ये चुनाव हारने की बौखलाहट है। यही दिख रहा है। इसके बाद विजय सिन्हा ने फखऊ नेताओं को गुंडा बताते हुए प्रशासन से एमएलसी की गाड़ी की जांच करने को कहा, यह आरोप लगाते हुए कि 'यहां शराबबंदी है ये शराब पीकर गुंडई कर रहा है।' जवाब में फखऊएमएलसी ने कहा कि 'इन लोगों को तो काम ही है झूठ बोलना और गुंडई करना। वही ये लोग कर रहे हैं।

अमित कुमार घोष, अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश) से मुलाकात

लखनऊ, अमित कुमार घोष, अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश) से मुलाकात कर आगामी 8 नवम्बर 2025 को आयोजित होने वाले अधिवेशन में आमंत्रित किया गया। साथ ही प्रमुख मांगों जैसे— • नियुक्ति • गृह जनपद में तैनाती • पालनाघर की व्यवस्था • केंद्र के समान भत्ते • पदोन्नति • संवर्ग का पुनर्गठन इत्यादि के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। अपर मुख्य सचिव ने सभी सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए, उपरोक्त मांगों पर एक सप्ताह के भीतर बैठक आयोजित कर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने राजकीय नर्सेस संघ उत्तर प्रदेश के 18वें अधिवेशन की सफलता हेतु

हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई भी प्रेषित की। प्रतिनिधि मंडल में— अशोक कुमार (महामंत्री) केनेतृत्व में सत्येंद्र कुमार (उपाध्यक्ष) गीतांशु वर्मा (संयुक्त सचिव) आईनिस चाल्स (मंडल अध्यक्ष) शामिल रहे।

सस्ता बाजार गर्म कपड़े की दुकान का हुआ उद्घाटन

सलोन रायबरेली नगर पंचायत सलोंन के एसडीएम कोर्ट के समीप सस्ता बाजार में ठंड के वूलन व गर्म कपड़े जैकेट के भाव दुकान का उद्घाटन पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी इरफान सिद्दीकी ने फीता काटकर किया। युवा नेता इरफान सिद्दीकी ने कहा कि सस्ते बाजार की दुकान खुलने से मध्य वर्गीय लोगों को उचित रेट में गर्म कपड़े जैकेट आदि मुहैया होंगे, जो एक सराहनीय प्रयास है। इस तरह की सस्ते मार्केट महानगरों में हुआ करते हैं, छोटे नगर में ऐसी ब्रांच के खुलने से लोगों को सहूलियत मुहैया होगी। इस मौके पर अकबर चौधरी, अनवर चौधरी, अफसर चौधरी, अब्बास चौधरी, अश्करी चौधरी, राम जी सरोज शिक्षक नेता, पूर्व सभासद इसरार हैदर ,इमरान सिद्दीकी, बिलाल खान, वसीम अंसारी सिम्रैन शेख आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

पश्चिम रेलवे अधिकारी ने प्रतिष्ठित आयरनमैन मलेशिया 2025 ट्रायथलॉन पूरा किया

मुंबई,

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव श्री सचिन शर्मा ने 1 नवंबर 2025 को मलेशिया के लंगकवी द्वीप पर आयोजित विश्व प्रसिद्ध आयरनमैन मलेशिया ट्रायथलॉन को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अंतर्राष्ट्रीय धीरज प्रतियोगिता दुनिया की सबसे कठिन खेल चुनौतियों में से एक मानी जाती है और इसमें 3.8 किमी खुले समुद्र में तैराकी, उसके बाद 180 किमी साइकिलिंग और 42.2 किमी की पूर्ण मैराथन दौड़ शामिल है, जो कुल 226 किमी की दूरी तय करती है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लंगकावी की गर्म और आर्द्र उष्णकटिबंधीय जलवायु ने इस प्रतियोगिता को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। दौड़ की शुरूआत मनोरम पंताई कोक बीच से हुई, जहाँ प्रतिभागियों ने मध्यम ज्वार के साथ क्रिस्टल साफ समुद्र के पानी में तैराकी की। तैराकी के तुरंत बाद एथलीटों ने घने उष्णकटिबंधीय जंगलों को चीरती सुरम्य तटरेखा और खड़ी पहाड़ी सड़कों से गुजरते हुए 180 किलोमीटर के साइकिलिंग रूट पर कदम रखा। यह बाइकिंग कोर्स आयरनमैन स्पधाओं में सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है, जिसमें लगभग 1600 मीटर की ऊँचाई और कई कठिन चढ़ाई शामिल हैं। अंतिम दौड़ महसूरी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र से शुरू हुआ और खूबसूरत चेनांग बीच पर समाप्त हुआ। हालाँकि दौड़ का रास्ता अपेक्षाकृत समतल था, लेकिन गर्मी और उमस ने प्रत्येक प्रतिभागी की सहनशक्ति और लचीलेपन की कड़ी परीक्षा ली।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव श्री सचिन शर्मा लंगकावी द्वीप पर आयरनमैन मलेशिया 2025 ट्रायथलॉन के दौरान दिखाई दे रहे हैं।

श्री विनीत ने आगे बताया कि श्री शर्मा ने पूरी दौड़ के दौरान अद्भुत दृढ़ संकल्प, अनुशासन और मानसिक शक्ति का परिचय दिया। जैसे ही वे जोरदार जयकारों के बीच अंतिम चरण में पहुँचे, कार्यक्रम के उद्घोषक ने गर्व से घोषणा की, "सचिन, आप एक आयरनमैन हैं!", जिससे ट्रायथलॉन का उनका आधिकारिक समापन चिह्नित हुआ। दौड़ पूरी करने के बाद उन्हें प्रतिष्ठित फिनिशर मेडल, फिनिशर टावर सिक्का और आधिकारिक आयरनमैन फिनिशर जर्सी प्रदान की गई, जो उनकी उपलब्धि का प्रतीक है।

श्री शर्मा एक उत्साही धीरज एथलीट हैं और पिछले कुछ वर्षों में लगभग 60 से 70 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में भाग ले चुके हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में कॉमरेड्स अल्ट्रा मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जो दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण अल्ट्रा-डिस्टेंस रोड रेस में से एक है। उन्होंने जैसलमेर में बॉर्डर रेस (जिसे हेल रेस भी कहा जाता है) में भी भाग लिया है, जो अपनी चरम रेगिस्तानी परिस्थितियों के लिए जाना जाता है और लद्दाख में सिल्क रूट अल्ट्रा रेस में भी भाग लिया है, जो उच्च ऊंचाई वाले हिमालयी भूभाग पर आयोजित होती है। उनकी सहनशक्ति में उत्कृष्टता की निरंतर खोज और अनुशासित फिटनेस दिनचर्या, रेलवे परिवार के कई सदस्यों के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन का स्रोत रही है।

श्री सचिन शर्मा की यह उल्लेखनीय उपलब्धि पश्चिम रेलवे के लिए गौरव की बात है, जो फिटनेस, सहनशक्ति और समग्र स्वास्थ्य के प्रति अपने अधिकारियों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

देश को मिलेंगी 4 नई वंदे भारत ट्रेनें! पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 नवंबर (शनिवार) को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने जा रहे हैं। इन नई ट्रेनों के शुरू होने के बाद देश में वंदे भारत ट्रेनों की कुल संख्या बढ़कर 164 हो जाएगी।

चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (कठत्र्) द्वारा विकसित ये सेमी-हाई स्पीड ट्रेनें यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का नया अनुभव देने जा रही हैं। इन ट्रेनों की शुरूआत से देश के कई प्रमुख शहरों के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

साथ ही, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की पूरी सूची

वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस

एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस

वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस

यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज,

चित्रकूट और खजुराहो जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को सीधे जोड़ेगी। मौजूदा स्पेशल ट्रेनों की तुलना में यह करीब 2 घंटे 40 मिनट का समय बचाएगी। इस ट्रेन से न सिर्फ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यात्रियों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो तक एक तेज और आधुनिक यात्रा विकल्प मिलेगा।

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

यह ट्रेन करीब 7 घंटे 45 मिनट में यात्रा पूरी करेगी, जिससे लगभग 1 घंटे का समय बचेगा। यह लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को बड़ा लाभ देगी। साथ ही हरिद्वार और रुड़की तक पहुंचना भी आसान होगा। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस

यह ट्रेन दिल्ली और पंजाब के प्रमुख शहरों जैसे फिरोजपुर, बठिंडा और पटियाला के बीच की दूरी को सिर्फ 6 घंटे 40 मिनट में पूरा करेगी। यह अब तक इस रूट की सबसे तेज ट्रेन होगी। इस ट्रेन से व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे सीमा क्षेत्रों का सामाजिक-आर्थिक विकास भी तेज होगा।

एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस

दक्षिण भारत के आईटी और व्यापारिक केंद्रों को जोड़ने वाली यह ट्रेन यात्रा समय को 2 घंटे से अधिक घटाकर लगभग 8 घंटे 40 मिनट में पूरा करेगी। इससे केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह ट्रेन पेशेवरों, छात्रों और पर्यटकों के लिए बेहद सुविधाजनक साबित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की जा रही ये चारों वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें "नए भारत की तेज रफ्तार यात्रा" का प्रतीक मानी जा रही हैं। रेलवे मंत्रालय का दावा है कि आने वाले महीनों में और भी नई रूट्स पर वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जाएंगी, जिससे देशभर में कनेक्टिविटी और यात्री सुविधा को और मजबूत किया जा सकेगा।

रजत जयंती समारोह में देशभर से आए संत और धमार्चार्य सहित कई हस्तियां जुटी, सीएम धामी से क्या हुई बात

(जीएनएस)।

उत्तराखंड रजत जयंती वर्ष के मौके पर देशभर के संतों ने धामी सरकार के सांस्कृतिक संरक्षण व विकास कार्यों की सराहना की। देशभर के प्रमुख संतों और धमार्चार्यों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर राज्य की प्रगति, सांस्कृतिक संरक्षण और आध्यात्मिक समृद्धि के प्रति उनके प्रयासों को सराहा।

उत्तराखंड की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक सौहार्द का केंद्र बन गया, जब देशभर के प्रमुख संतों और धमार्चार्यों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। संत समाज ने प्रदेश के लिए सकारात्मक बदलाव, विरासत संरक्षण और धार्मिक-सांस्कृतिक मानकों को सुदृढ़ करने वाले निर्णयों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री को आशीर्वाद प्रदान किया और उन्हें देवभूमि का धर्म-संरक्षक बताया।

संतों ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विकास की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री आवास में आध्यात्मिक संगम में आचार्य महामंडलेश्वर

कैलाशानंद गिरी महाराज, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि,परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, अखाड़ा परिषद अध्यक्ष स्वामी रविंद्रपुरी महाराज, बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी, चिंतक और लेखक डॉ. कुमार विश्वास सहित अनेकों प्रतिष्ठित संत-महात्मा एवं धमार्चार्य भेंट करने वाले प्रमुख संत-महात्माओं में शामिल रहे।

संतों ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, आध्यात्मिक परंपरा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाला नेतृत्व प्रदान किया है। उनके प्रयासों से देवभूमि की मूल आत्मा और सनातन विरासत सुरक्षित और सुदृढ़ हुई है। उन्होंने राज्य सरकार की उन नीतियों की भी सराहना की जिनसे सामाजिक-सांस्कृतिक अनुशासन, धार्मिक स्थलों का संरक्षण, आध्यात्मिक पर्यटन विकास तथा परंपरा-संरक्षण को नया आयाम मिला है।

कुम्भ-2027 को भव्य, दिव्य और विश्व-स्तरीय आयोजन के रूप में स्थापित करने के लिए संत समाज तथा सरकार मिलकर कार्य करेंगे।

संत समाज ने मुख्यमंत्री धामी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हरिद्वार कुम्भ-2027 को भव्य, दिव्य और विश्व-स्तरीय आयोजन के रूप में स्थापित करने के लिए वे सरकार के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। संतों ने कहा कि कुम्भ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आध्यात्मिक चेतना का महासंगम है, जिसे ऐतिहासिक स्वरूप देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। संतों ने यह भी कहा कि कुंभ की तैयारी के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। यातायात, अधोसंरचना, घाटों का सौंदर्यीकरण, सुरक्षा व्यवस्थाएँ, स्वच्छता और तीर्थ विकास जैसे क्षेत्रों में जो योजनाएं बन रही हैं, वे आने वाले वर्षों में हरिद्वार को विश्व आध्यात्मिक धरोहर केंद्र के रूप में और अधिक प्रतिष्ठित करेंगी।

जस्टिस सूर्यकांत ने 125वें ओबीए समारोह में फूंका जोश, न्याय प्रणाली में बार-बेंच की साझेदारी जरूरी

लखनऊ। न्याय की धरती, लखनऊ में अवध बार एसोसिएशन OBA ने रविवार को इतिहास के पन्नों में एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ा। गोमतीनगर स्थित हाईकोर्ट परिसर में आयोजित हुआ यह समारोह सिर्फ एक वर्षगांठ नहीं था, बल्कि 125 वर्षों की शानदार विरासत और न्याय प्रणाली के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उत्सव था।

इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में, भारत के भावी मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। न्याय दिलाने में बार की भूमिका विषय पर अपने प्रेरक संबोधन में जस्टिस सूर्यकांत ने बार और बेंच के संबंधों को एक नई दिशा दी।

जस्टिस सूर्यकांत ने जोर देकर कहा कि न्याय प्रणाली को सशक्त बनाने में अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों की साझेदारी बेहद जरूरी है। उनका यह कथन, अधिवक्ता कविता शुक्ला के शब्दों को प्रतिध्वनित करता है, जिन्होंने बार और बेंच को न्याय प्रणाली के दो पूरक स्तंभ बताया। एक ओर न्यायाधीश,

न्याय की निष्पक्षता पर भरोसा करते हैं, तो दूसरी ओर अधिवक्ता सत्य को सामने लाने में उनकी सहायता करते हैं, यह विश्वास और सहयोग ही भारतीय न्याय प्रणाली की नींव है।

डइअ के अध्यक्ष एस. चंद्र ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि संस्था ने अपने 125 वर्षों की यात्रा में देश को अनेक प्रतिभाशाली न्यायविद और न्यायाधीश दिए हैं। यह समारोह केवल पिछली सफलताओं का उल्लेख नहीं था, बल्कि भविष्य के लिए एक दृढ़ संकल्प भी था, एसोसिएशन न्याय प्रणाली में अधिवक्ताओं की भूमिका को और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय जैसे विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने उत्तर प्रदेश की न्यायिक परंपरा को राष्ट्रीय महत्व प्रदान किया। जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता जस्टिस एम.सी. त्रिपाठी और जस्टिस राजन रॉय की उपस्थिति ने भी आयोजन की शोभा बढ़ाई।

डइअ के महासचिव ललित तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति, न्याय के प्रति उनके सामूहिक समर्पण को दशार्ती है। अधिवक्ता सुबी खातून ने इस आयोजन को अवध बार एसोसिएशन का एक ऐतिहासिक आयोजन बताया।

यह समारोह भव्य विदाई के साथ संपन्न हुआ, जहाँ अतिथियों का सम्मान किया गया और एसोसिएशन की उपलब्धियों का सारगर्भित उल्लेख हुआ। अवध बार एसोसिएशन का 125वाँ वर्ष समारोह केवल एक इवेंट नहीं था, यह कानून के शासन और अटूट न्यायिक मूल्यों में विश्वास की एक सशक्त घोषणा थी।

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष : राष्ट्रगौरव और जनभागीदारी का वर्षभर चलने वाला उत्सव 7 नवम्बर से होगा प्रारंभ

छत्तीसगढ़ 7 नवंबर 2025 से विभिन्न कार्यक्रमों के साथ वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाएगा। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव और एकता को बढ़ावा देना है।

(जीएनएस)।

"वंदे मातरम्" की 150वीं वर्षगांठ पूरे देश के लिए गर्व और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय अवसर है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में इस ऐतिहासिक पर्व को वर्षभर चलने वाले महाअभियान के रूप में मनाया जा रहा है। देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी यह आयोजन जनभागीदारी के साथ चार चरणों में ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक भव्य रूप में संपन्न किया जाएगा।

पहला चरण 7 नवम्बर से होगा प्रारंभ

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का शुभारंभ 7 नवम्बर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रातः 10 से 11 बजे तक दूरदर्शन पर प्रसारित होगा। प्रधानमंत्री के उद्बोधन के पश्चात पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया जाएगा। गीत के बोल और धुन पोर्टल ५ल्ल्रीं३१ं150.ल्ल पर उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम चार चरणों में आयोजित होगा- प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर

2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ), और चतुर्थ चरण 1 से 7 नवम्बर 2026 तक चलेगा। इस दौरान राज्य के सभी जिलों, जनपदों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों एवं सामाजिक संगठनों में राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

राज्य के सभी जिलों में मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रत्येक जिले में स्थानीय कलाकारों, छात्रों, सामाजिक संस्थाओं और नागरिक समूहों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि यह अभियान एक जनआंदोलन का रूप ले सके।

विद्यालयों में विशेष गतिविधियाँ और रचनात्मक आयोजन

प्रदेश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में "वंदे मातरम्" विषय पर विशेष सभाएँ, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ होंगी। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड और स्कूल बैंड के माध्यम से वंदे मातरम से संबंधित संगीतमय प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। राज्य पुलिस बैंड भी सार्वजनिक स्थलों पर वंदे मातरम और देशभक्ति गीतों पर आधारित कार्यक्रमों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंगेगा।

'वंदे मातरम् ऑडियो-वीडियो बूथ' एक अभिनव पहल

राज्यभर में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत "वंदे मातरम् ऑडियो-वीडियो बूथ" स्थापित किए जाएंगे। इनमें नागरिक अपनी आवाज में वंदे मातरम् गाकर उसे पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। पोर्टल पर गीत की मूल धुन और बोल की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यह पहल लोगों को अपने तरीके से राष्ट्रप्रेम व्यक्त करने का अवसर देगी और आंदोलन को अधिक व्यक्तिगत और भावनात्मक बनाएगी।

"वंदे मातरम्" की 150वीं वर्षगांठ केवल एक स्मरणीय अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, आत्मगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत संदेश है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी को भारत की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हुए उनमें देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय चेतना की भावना को और गहराई देगा। वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का स्वर है, जिसकी गूंज हर नागरिक के हृदय में नई ऊर्जा और गर्व का संचार करेगी। - मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

दलित बस्ती के लिए स्वच्छ पानी की सरकारी योजना पर भू-माफिया का प्रहार

(जीएनएस)।

लखनऊ। शहर की काशीराम कॉलोनी लोलाई में रहने वाले सैकड़ों दलित परिवारों के लिए स्वच्छ पेयजल की उम्मीदें मंगलवार को दबंगई के आगे दम तोड़ती नजर आईं। यह मामला सरकारी योजनाओं में बाधा डालने और जातिगत द्वेष फैलाने का है, जिसने स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल लंबे इंतजार के बाद सरकार ने इस दलित बहुल बस्ती में पानी की टंकी लगाने की स्वीकृति दी थी। कल 04.11.2025 को जलकल विभाग के कर्मचारी उत्साह के साथ सब्जी मंडी में गड्ढा खोदने पहुँचे। लेकिन दिन चढ़ते-चढ़ते, यह खुशी अल्पजीवी साबित हुई।

दोपहर लगभग 12:30 बजे इलाके का कुख्यात भूमाफिया पिंटू श्रीवास्तव अपने साथियों के साथ मौके पर धमक पड़ा।जातिसूचक अपमान और गुंडईस्थानीय निवासी अमरजीत कुरील जो काम में सहयोग कर रहे थे, उनके अनुसार पिंटू श्रीवास्तव ने उन्हें सीधे तौर पर जातिसूचक गालियाँ दीं। उनका अहंकार भरा बयान था, तुम्हारी इतनी बड़ी औकात हो गई है कि तुम दलित होकर टंकी लगवा रहे हो।

सरकारी जमीन को अपनी बताते हुए, दबंग पिंटू ने न सिर्फ काम कर रहे मजदूरों को भगा दिया, बल्कि खुली धमकी दी कि वह अपनी पहुँच का इस्तेमाल करके टंकी को नाले के पास लगवाएगा। उनका क्रूर तर्क था कि दलित लोग गंदा पानी पीने के ही हकदार हैं।

इस घटना ने कॉलोनी के लोगों को झकझोर कर रख दिया है। एक ओर सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर एक दबंग भूमाफिया कानून और मानवता को रौंद रहा है।

पिंटू श्रीवास्तव ने जबरन गड्ढा पटवाकर यह स्पष्ट संदेश दिया कि इस बस्ती में सरकारी सुविधा उसकी मर्जी के खिलाफ नहीं मिलेगी। पीड़ित अमरजीत कुरील ने मुख्यमंत्री कार्यालय को शिकायत भेजकर गुहार लगाई है कि इस दबंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को स्वच्छ जल का उनका संवैधानिक हक दिलाया जाए।

माइक्रोफाइनेंसः रोजगार में सहायक – उपमा का 8वाँ वार्षिक अधिवेशन लखनऊ में सम्पन्न

देश के शीर्ष वित्तीय विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

उत्तर प्रदेश में रोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को नई दिशा।

लखनऊ, 6 नवम्बर 2025: माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) ने आज लखनऊ स्थित होटल ताज में अपने 8वें वार्षिक अधिवेशन का भव्य आयोजन किया। "माइक्रोफाइनेंसः रोजगार में सहायक" विषय पर आधारित इस अधिवेशन में देश के शीर्ष वित्तीय विशेषज्ञों ने भाग लिया और प्रदेश में रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास तथा आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व उप-गवर्नर श्री एम. के. जैन तथा सिडबी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. क्षत्रपति शिवाजी ने विशेष रूप से मुंबई से पधारकर सत्रों को संबोधित किया। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने माइक्रोफाइनेंस की महत्ता, भविष्य की संभावनाओं तथा उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति में इसकी भूमिका पर गहन विचार प्रस्तुत किए। अधिवेशन के दौरान "उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश" बनाने में माइक्रोफाइनेंस की भूमिका पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें

यह रेखांकित किया गया कि माइक्रोफाइनेंस संस्थानों ने ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, उद्यमिता को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कार्यक्रम में प्रमुख वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से*श्री गणेश नारायणन, अध्यक्ष, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण*श्री विवेक तिवारी, प्रमुख, सत्या माइक्रो कैपिटल एवं चेयरमैन, उपमा*श्री अनूप सिंह, प्रमुख, सोनाटा फाइनेंस श्री प्रमोद कुमार पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक, उत्कर्ष बैंक*श्री विवेक तिवारी, चेयरमैन, उपमा* ने बताया कि अधिवेशन में ग्राहकों की अपेक्षाएँ, जिम्मेदार वित्तपोषण, फइक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालन तथा व्यवसाय वृद्धि की रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक मंथन हुआ। उपमा के मंत्री श्री पारस वासनिक ने कहा, "यह हमारा आठवां वार्षिक अधिवेशन है और हमें विश्वास है कि यह माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र के सभी हितधारकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध होगा।" उपमा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुधीर सिन्हा ने बताया कि "उत्तर प्रदेश में वर्तमान माइक्रोफाइनेंस व्यवसाय लगभग ₹15,137 करोड़ है, जिसमें लगभग 53 लाख महिला ग्राहक शामिल हैं तथा प्रति ग्राहक औसत ऋण ₹55,045 है। माइक्रोफाइनेंस सेवाएँ आज प्रदेश के हर जिले में पहुँच चुकी हैं। इस अवसर पर माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित भी किया गया*श्री नवनीत कुमार सहगल, कअर, चेयरमैन, प्रसार भारती*श्री अमिताभ यश, IPS, एडीजी / एसटीएफ श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, महाप्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं चेयरमैन, SLBC*श्री सुजीत पांडेय, IPS, एडीजी, जोन संपर्कः मीडिया सेल — माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा)

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री क्यों बोले- हम मुसलमानों के खिलाफ नहीं

(जीएनएस)।

सनातन धर्म की एकजुटता का संदेश लेकर एक महायात्रा दिल्ली से वृंदावन तक रवाना होने को तैयार है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा 2.0' 7 नवंबर 2025 से शुरू हो रही है, जो 16 नवंबर तक चलेगी। यह 145 किलोमीटर लंबी यात्रा राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा के उद्घोष के साथ प्रारंभ होगी, और प्रतिदिन सात शपथों के साथ आगे बढ़ेगी।

बागेश्वर धाम में अब तक 40,000 प्रतिभागियों का पंजीकरण हो चुका है, जो पूरे भारत – हर कोने से, हर गली से – आ रहे हैं। आचार्य शास्त्री ने कहा, "इस देश में 80 करोड़ हिंदू रहते हैं। हम हर गांव और हर गली तक पहुंचकर उन सभी हिंदुओं के लिए लड़ रहे हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य हिंदू एकता, सनातन एकता सुनिश्चित करना है।

हम मुसलमानों के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंदुओं के समर्थन में मार्च कर रहे हैं। जो लोग हिंदुत्व से प्यार करते हैं, सनातन से प्यार करते हैं, तिरंगे से प्यार करते हैं, वे इस पदयात्रा के लिए आ रहे हैं। कुछ लोग तिरंगे में चांद देखना चाहते हैं। हम चांद पर तिरंगा देखना चाहते हैं।" यह यात्रा न केवल धार्मिक एकता का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक जागरण का माध्यम बनेगी। आइए, जानते हैं इस पदयात्रा की पूरी दास्तां – उद्देश्य से लेकर रूट, शपथों और प्रतिभागियों तक।

हिंदू एकता का संकल्प, जाति-भेदभाव का अंत – आचार्य शास्त्री का

विजन

आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर धाम सरकार के नाम से जाना जाता है, ने इस पदयात्रा को 'राष्ट्रीय महायज्ञ' करार दिया है। 29 वर्षीय शास्त्री, जो बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर हैं, ने कहा कि यह यात्रा हिंदू समाज में व्याप्त जाति भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक विभाजन को मिटाने के लिए है। "यह यात्रा सनातन धर्म की रक्षा और हिंदू एकता का प्रतीक है। हम भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग नहीं कर रहे, बल्कि सनातन मूल्यों को मजबूत कर रहे हैं," शास्त्री ने एक सभा में कहा।

पिछले साल (2024) बागेश्वर धाम से ओरछा तक 160 किलोमीटर की 'हिंदू एकता यात्रा' सफल रही, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। इस बार '2.0' संस्करण दिल्ली से वृंदावन तक है, जो 7-16 नवंबर चलेगी।

शास्त्री ने कहा, "80 करोड़ हिंदू एकजुट हों, तो कोई ताकत हमें तोड़ नहीं सकती। यह यात्रा हर हिंदू के लिए है – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, सभी।" यात्रा में अयोध्या, वृंदावन, हरिद्वार और ऋषिकेश के संत शामिल होंगे, जो मार्ग में आशीर्वाद देंगे।

यात्रा का पूरा प्लानः 145 किमी का रूट, राष्ट्रगान से हनुमान चालीसा तक, सात शपथों का संकल्प

पदयात्रा दिल्ली के छत्रपुर मंदिर से शुरू होकर वृंदावन धाम पर समाप्त होगी। कुल दूरी 145 किलोमीटर (कुछ स्रोतों में 170 किमी), जो 10 दिनों में पूरी होगी। दैनिक 15-20 किमी पैदल मार्च, जिसमें भजन-कीर्तन और व्याख्यान होंगे।

शुरूआतः 7 नवंबर को छत्रपुर मंदिर से राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा के साथ। तिरंगे के साथ जुलूस, संतों का आशीर्वाद।

रूटः दिल्ली (छत्रपुर) → फरीदाबाद → पलवल → हरियाणा-UP बॉर्डर → मथुरा → वृंदावन। प्रमुख पड़ावः यमुना नदी पार, ब्रज क्षेत्र के गांव।

प्रतिदिन शपथः सात शपथें लेंगी – 1. सामाजिक सद्भाव, 2. यमुना सफाई, 3. ब्रज में मांस-मदिरा मुक्त, 4. गौमाता रक्षा, 5. पुराने वृंदावन संरक्षण, 6. सनातन मूल्यों का पालन, 7. हिंदू एकता। प्रतिदिन सुबह शपथ, शाम दुआ।

समापनः 16 नवंबर को बांके बिहारी मंदिर में महासभा, जहां प्रतिभागी संकल्प दोहराएंगे।

सुविधाएंः मेडिकल कैंप, पानी स्टेशन, रेस्ट पॉइंट्स। वॉलंटियर्स 5,000। लाइव स्ट्रीमिंग बागेश्वर धाम ऐप पर।

शास्त्री ने कहा, "यह यात्रा पैरों में छाले झेलकर भी चलेगी, क्योंकि यह हिंदुत्व का संदेश है।" यात्रा में महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता।

40,000 प्रतिभागियों का पंजीकरणः पूरे भारत से आ रहे हिंदू, हर गली से एकता का संदेश